



भारत का खलौना उद्योग

प्रलम्ब के लिये:

भारत का खलौना उद्योग, भारत में नरिमति खलौनों की सफलता की कहानी, [उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग \(Department for Promotion of Industry and Internal Trade-DPIIT\)](#), खलौनों के लिये राष्ट्रीय कार्य योजना (National Action Plan for Toys-NAPT), वदिश व्यापार महानदिशालय (Directorate General of Foreign Trade-DGFT)।

मेन्स के लिये:

भारत का खलौना उद्योग, विभिन्न क्षेत्रों में विकास के लिये सरकारी नीतियाँ और हस्तक्षेप, उनके डिजाइन तथा कार्यान्वयन से उत्पन्न होने वाले मुद्दे।

[स्रोत: पी.आई.बी.](#)

चर्चा में क्यों?

भारतीय प्रबंधन संस्थान (Indian Institutes of Management- IIM) लखनऊ ने हाल ही में वाणज्य और उद्योग मंत्रालय (Ministry of Commerce & Industry- MoCI) के तहत [उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग \(Department for Promotion of Industry and Internal Trade- DPIIT\)](#) के आदेश पर “भारत में नरिमति खलौनों की सफलता की कहानी (Success Story of Made in India Toys)” पर अध्ययन किया है, जिसमें एक पर प्रकाश डाला गया कि वित्त वर्ष 2014-15 की तुलना में वित्त वर्ष 2022-23 में खलौना निर्यात में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

अध्ययन के अनुसार भारतीय खलौना उद्योग की स्थिति क्या है?

- **विकास की प्रवृत्तियाँ:**
 - भारतीय खलौना उद्योग ने वित्त वर्ष 2014-15 और वित्त वर्ष 2022-23 के बीच उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की, जिसमें आयात में 52% की भारी गिरावट तथा निर्यात में 239% की उल्लेखनीय वृद्धि हुई।
 - यह वृद्धि आत्मनिर्भरता और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता की दशा में बदलाव का संकेत देती है।
- **गुणवत्ता में सुधार:**
 - घरेलू बाजार में उपलब्ध खलौनों की गुणवत्ता में समग्र वृद्धि हुई है। यह अंतरराष्ट्रीय मानकों को पूरा करने और उपभोक्ता संतुष्टि तथा सुरक्षा सुनिश्चित करने के महत्त्व पर बल देती है।
- **विकास वाहक:**
 - उन्नत विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र: सरकारी प्रयासों ने एक अधिक अनुकूल विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण की सुविधा प्रदान की है। छह वर्षों में विनिर्माण इकाइयों की संख्या दोगुनी करना, आयातित इनपुट पर निर्भरता को 33% से घटाकर 12% करना, सकल विक्रय मूल्य में 10% CAGR की वृद्धि करना और श्रम उत्पादकता में सुधार करना उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हैं।
 - वैश्विक एकीकरण और निर्यात पर फोकस: खलौना उद्योग में शीर्ष निर्यातक देश के रूप में भारत का उभरना वैश्विक खलौना मूल्य शृंखला में सफल एकीकरण का संकेत देता है। संयुक्त अरब अमीरात और ऑस्ट्रेलिया जैसे प्रमुख देशों में शून्य-शुल्क बाजार पहुँच ने इस विकास पथ में योगदान दिया है।

खलौना उद्योग में विकास को बढ़ावा देने के लिये सरकारी पहल क्या हैं?

- **खलौनों के लिये राष्ट्रीय कार्य योजना (National Action Plan for Toys- NAPT):**
 - यह एक व्यापक योजना है जिसमें 21 विशिष्ट कार्य बटु शामिल हैं, जो DPIIT द्वारा समन्वित हैं और कई केंद्रीय मंत्रालयों/विभागों द्वारा कार्यान्वित हैं। यह योजना डिजाइन, गुणवत्ता नियंत्रण, स्वदेशी खलौना समूहों को बढ़ावा देने आदि जैसे विभिन्न पहलुओं को सुनिश्चित करती है।
- **मूल सीमा शुल्क (Basic Customs Duty- BCD) में वृद्धि:**
 - खलौनों पर BCD में पर्याप्त वृद्धि (फरवरी 2020 में 20% से 60% और उसके बाद मार्च 2023 में 70% तक) का उद्देश्य

घरेलू खिलौना उद्योग को सस्ते आयात से बचाना तथा स्थानीय वनिर्माण को प्रोत्साहित करना है।

- **अनविर्य नमूना परीक्षण (Mandated Sample Testing):**
 - वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के तहत वदेश व्यापार महानिदेशालय (Directorate General of Foreign Trade- DGFT) ने नमिन स्तरीय खिलौनों के आयात को रोकने तथा बेहतर गुणवत्ता नयितरण सुनिश्चित करने के लयिप्रत्येक आयात खेप/प्रेषण के लयि नमूना परीक्षण अनविर्य कयिा है।
- **खिलौनों के लयि गुणवत्ता नयितरण आदेश (Quality Control Order- QCO):**
 - वर्ष 2020 में जारी यह आदेश देश में नरिमति और बेचे जाने वाले खिलौनों की समग्र गुणवत्ता को बढ़ाने के लयि जनवरी 2021 से प्रभावी खिलौनों के गुणवत्ता मानकों पर ज़ोर देता है।
- **खिलौना वनिर्माताओं के लयि प्रावधान:**
 - भारतीय मानक ब्यूरो (Bureau of Indian Standards- BIS) द्वारा वशिष प्रावधान कयि गए हैं जसिमें एक नरिदषिट अवधि के लयि परीक्षण सुवधिओं के बिना लघु इकाइयों को लाइसेंस देना, गुणवत्ता मानकों के अनुपालन की सुवधि प्रदान करना शामिल है।
- **BIS मानक चहिन:**
 - BIS मानक चहिनों के माध्यम से गुणवत्ता मानकों का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए घरेलू वनिर्माताओं को 1,200 से अधिक लाइसेंस तथा वदेशी वनिर्माताओं को 30 से अधिक लाइसेंस प्रदान कयि गए हैं।
- **क्लस्टर-आधारति दृष्टकिण:**
 - MSME मंत्रालय द्वारा पारंपरिक उद्योगों के पुनरजनन के लयि नधि की योजना (Scheme of Funds for the Regeneration of Traditional Industries- SFURTI) जैसी योजनाओं के माध्यम से घरेलू खिलौना उद्योग का समर्थन कयिा जा रहा है तथा वस्त्र मंत्रालय द्वारा वभिनिन खिलौना उत्पादन केंद्रों को खिलौनों का डिज़ाइन तैयार करने एवं ज़रूरी साधन मुहैया कराने में सहायता प्रदान की जा रही है।
- **प्रचार पहल:**
 - द इंडयिन टॉय फेयर 2021 और टॉयकैथॉन जैसे आयोजनों का उद्देश्य स्वदेशी खिलौनों को बढ़ावा देना, नवाचार को प्रोत्साहित करना तथा खिलौना उद्योग में प्रदर्शन एवं वचिार के लयि एक मंच तैयार करना है।

आगे की राह

- भारत को चीन तथा वयितनाम जैसे प्रमुख खिलौना वनिर्माण केंद्रों के प्रतस्पर्धी वकिल्प के रूप में स्थापति करने के लयि खिलौना उद्योग तथा सरकार के बीच नरितर सहयोगात्मक प्रयास आवश्यक हैं।
- प्रौद्योगिकी को अपनाना, ई-कॉमर्स पर ध्यान केंद्रति करना, साझेदारी तथा नरियात को प्रोत्साहन देना, बरंड नरिमाण में नविश करना एवं बच्चों के साथ प्रभावी संचार के लयि शकिषकों व अभिावकों के साथ जुड़ना प्रमुख पहचाने गए पहलू हैं।

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/india-s-toy-industry>